बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यहेजकेल: दर्शनों वाला आदमी

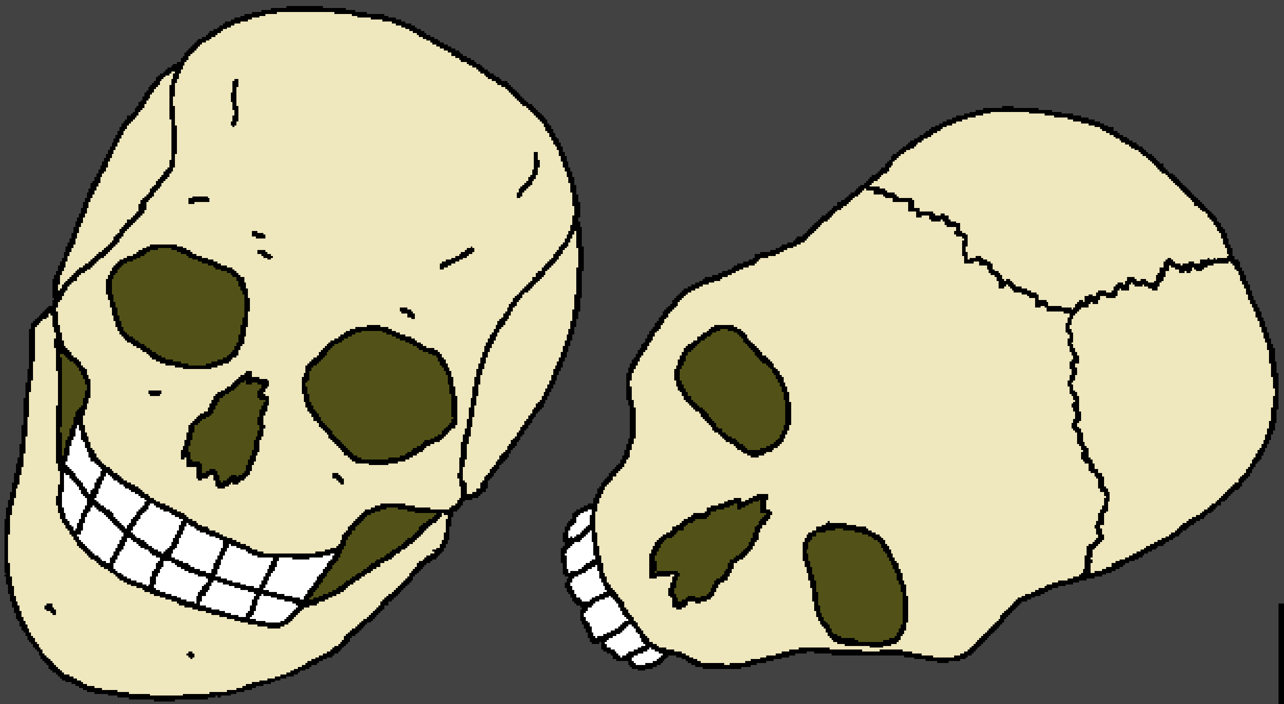

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Lazarus; Alastair Paterson

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

बहुत समय पहले, ताकतवर सेनाओं ने यहूदा पर हमला किया और परमेश्वर के बहुतेरे लोगों को बंदी बनाकर वापस बाबुल देश को लाये।

घर से दूर, इन यहूदियों ने कबार नदी के बगल में रहने लगे। उनमें से एक परमेश्वर का सेवक, भविष्यद्वक्ता यहेजकेल था।

एक दिन, परमेश्वर ने यहेजकेल को एक दर्शन दिया। परमेश्वर की महिमा चार उग्र प्राणियों के रूप में, एक उज्ज्वल प्रकाश के रूप में दिखाई दिया। प्रत्येक के चार चेहरे और चार पंख थे।

उनके ऊपर इंद्रधनुष सा प्रज्वलीत प्रकाश से भरा एक सुंदर नीलमणि सिंहासन था। जब यहेजकेल ने यह देखा, वह मुँह के बल गिर गया।

परमेश्वर ने यहेजकेल से बात की। "मैं तुम्हे इस्राएल के बच्चों के पास भेज रहा हूँ। वे विद्रोही हैं, उनके लिए मेरे इन वचनों को बोल।"

पुस्तक धारण किया हुआ एक हाथ दिखाई दिया।

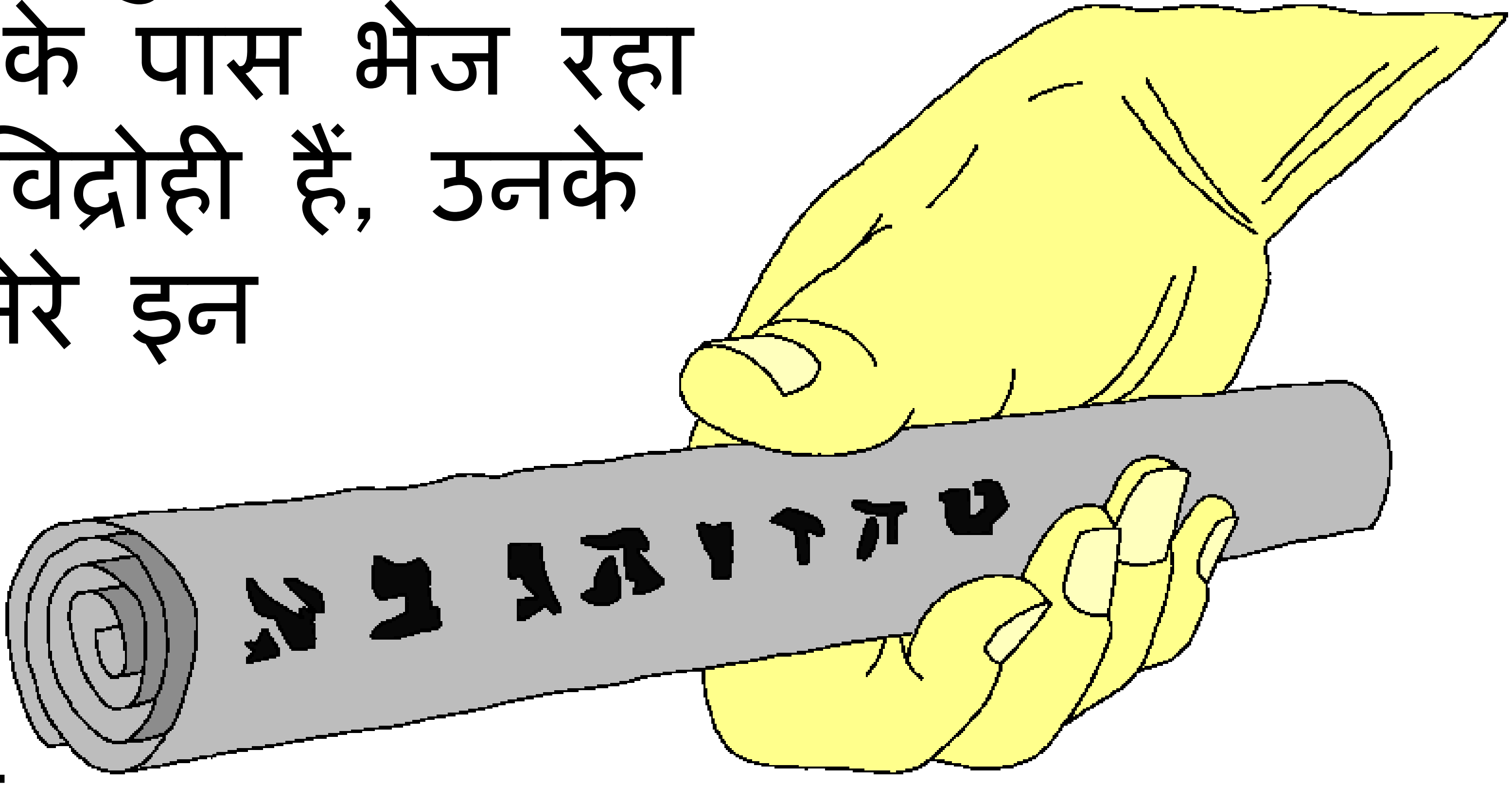

परमेश्वर ने कहा, "इस पुस्तक को निगल" और जा, इस्राएल के घराने को इसे बताओ।" क्या ही अजीब आदेश था! लेकिन यहेजकेल ने बात मानी; पुस्तक को खाया और चला गया।

परमेश्वर
की आत्मा ने
यहेजकेल को
उठाया और
काबार नदी के
दूसरे किनारे पर
रहने वाले बंदी
यहूदियों के
पास ले
गया।

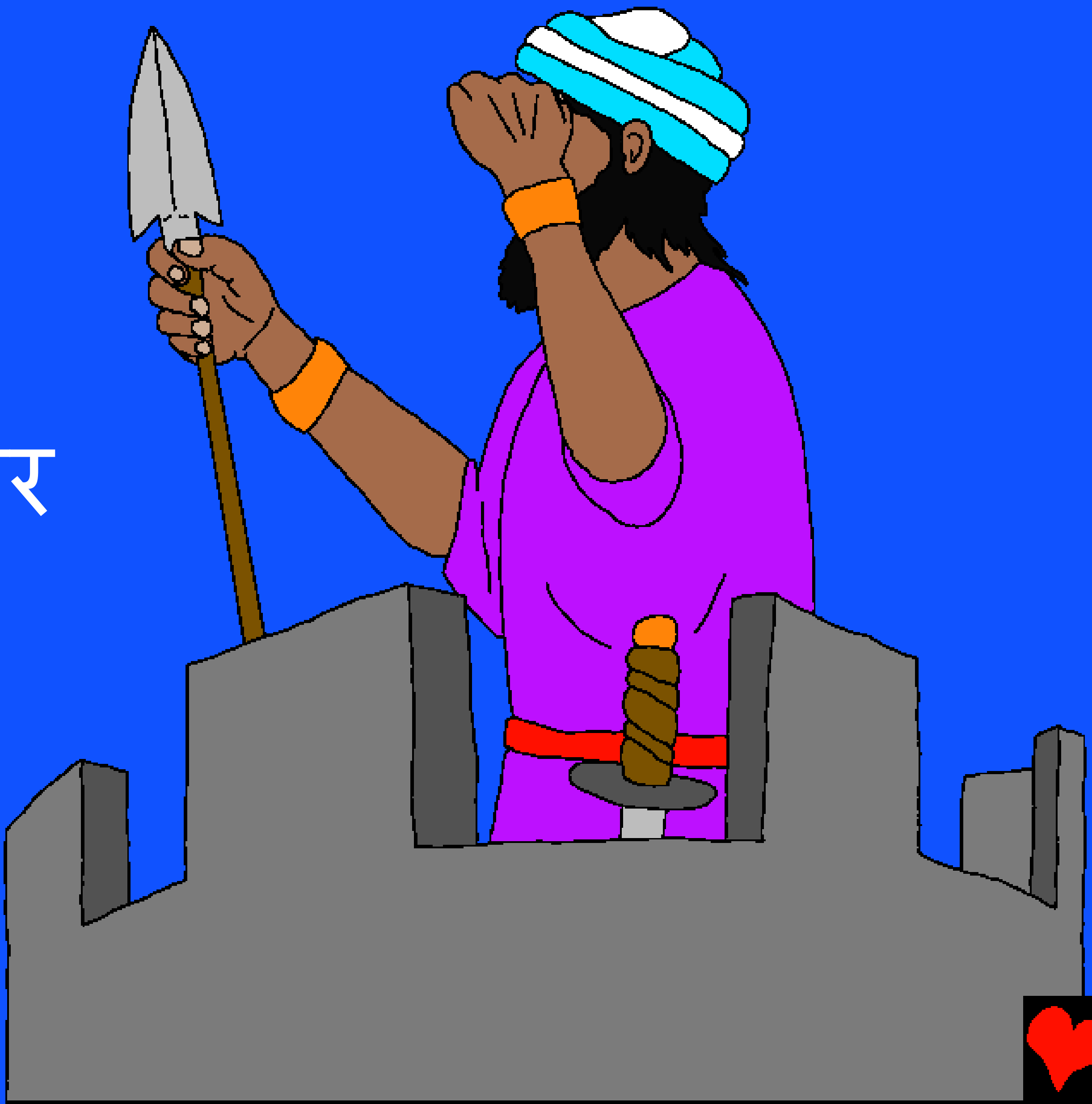

वह जो देखा उससे हैरान होकर, जहाँ वे बैठे थे वहीं सात दिनों के लिए बैठ गया। तब परमेश्वर ने यहेजकेल को एक पहरेदार बनाया।

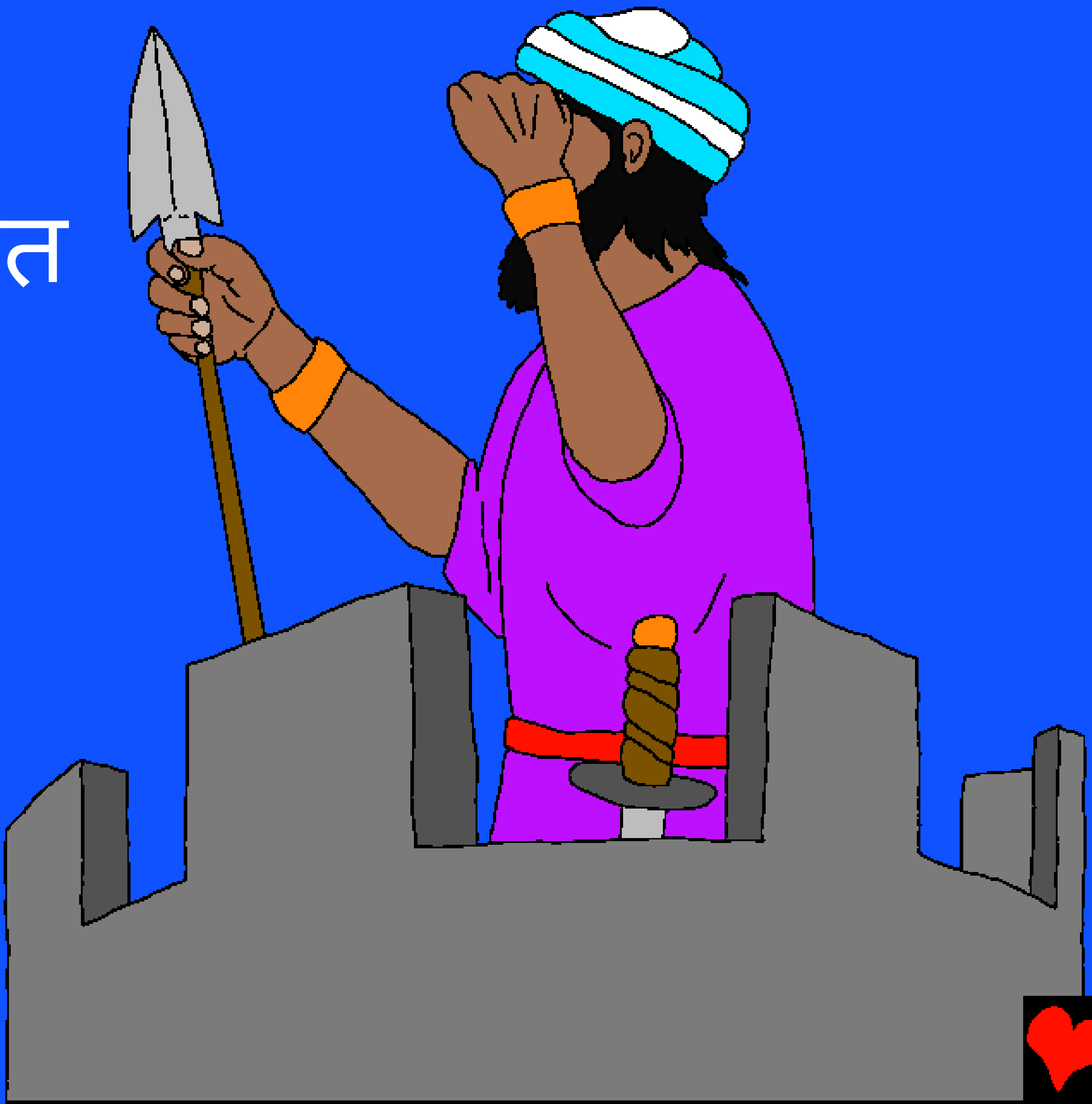

उसे परमेश्वर कि आज्ञाओं का उलंघन करने वाले दुष्ट लोगों को चेतावनी देनी थी।

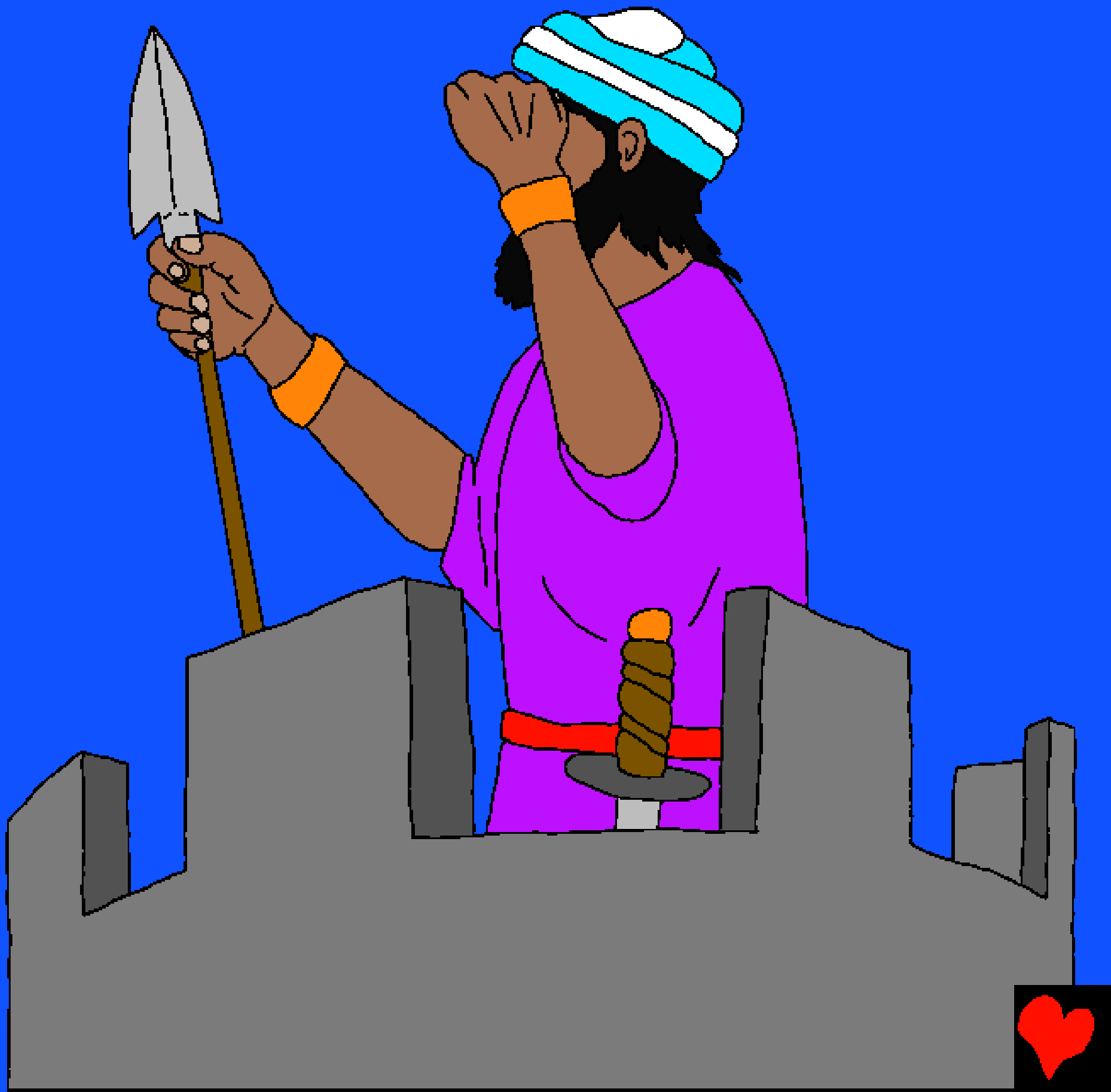

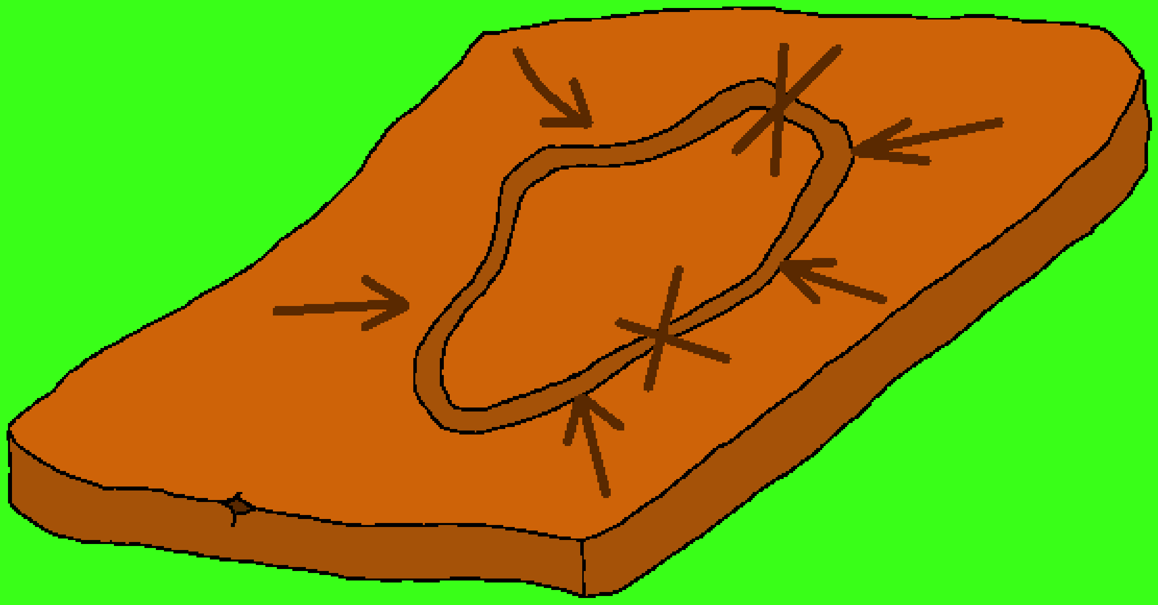

यहेजकेल परमेश्वर के आदेशों को लोगों के लिए स्पष्ट करने के कई अजीब तरकीबें अपनायीं। उसने मिट्टी के खपरैल के एक टुकड़े पर यरूशलेम की तस्वीर खरोंची।

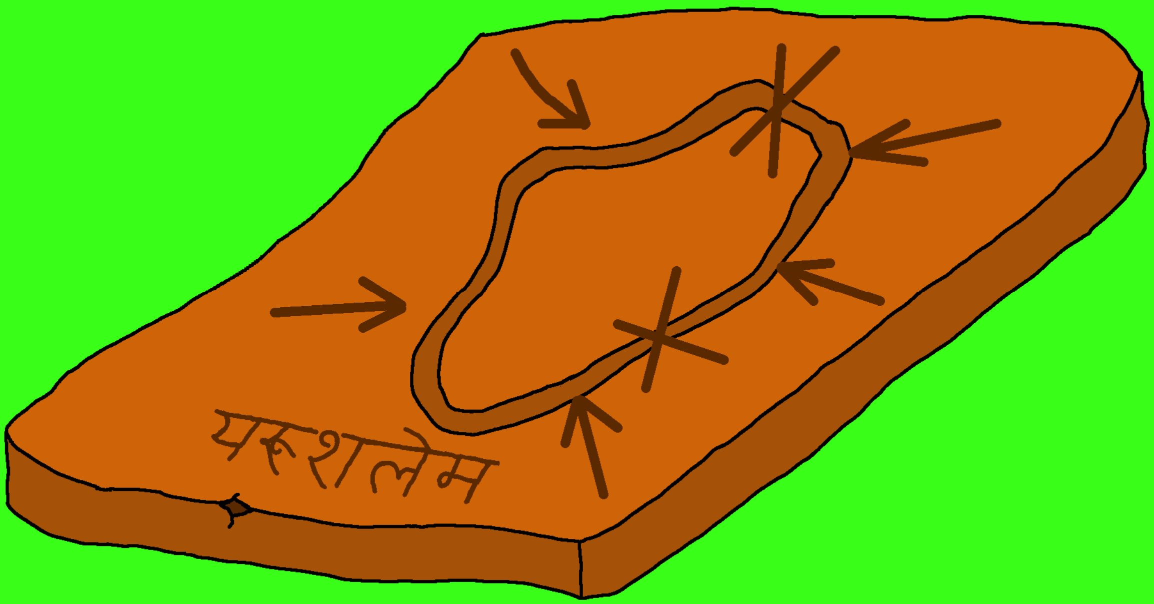

हो सकता है कि लोगों ने उसके कंधे पर यरूशलेम के चारों ओर एक शक्तिशाली सेना के चित्रण को खीचते देखा होगा। वह दिखा रहा था कि परमेश्वर के इस पवित्र शहर को जल्द ही नष्ट कर दिया जाएगा।

इस्राएल, उत्तरी राज्य, 390 वर्षों के लिए परमेश्वर की बात नहीं माना, और यहूदा, दक्षिणी राज्य 40 सालों से नहीं माना था।

यही कारण था कि इस्राएल को नष्ट कर दिया गया था और यहूदा जल्द ही गिरने वाला था।

परमेश्वर ने यहेजकेल को बताया कि लोगों को उनके पापों को याद दिलाने के लिए, 390 दिनों के लिए अपनी बाईं ओर और 40 दिनों के लिए उसकी दाहिने ओर होकर विश्राम करे।

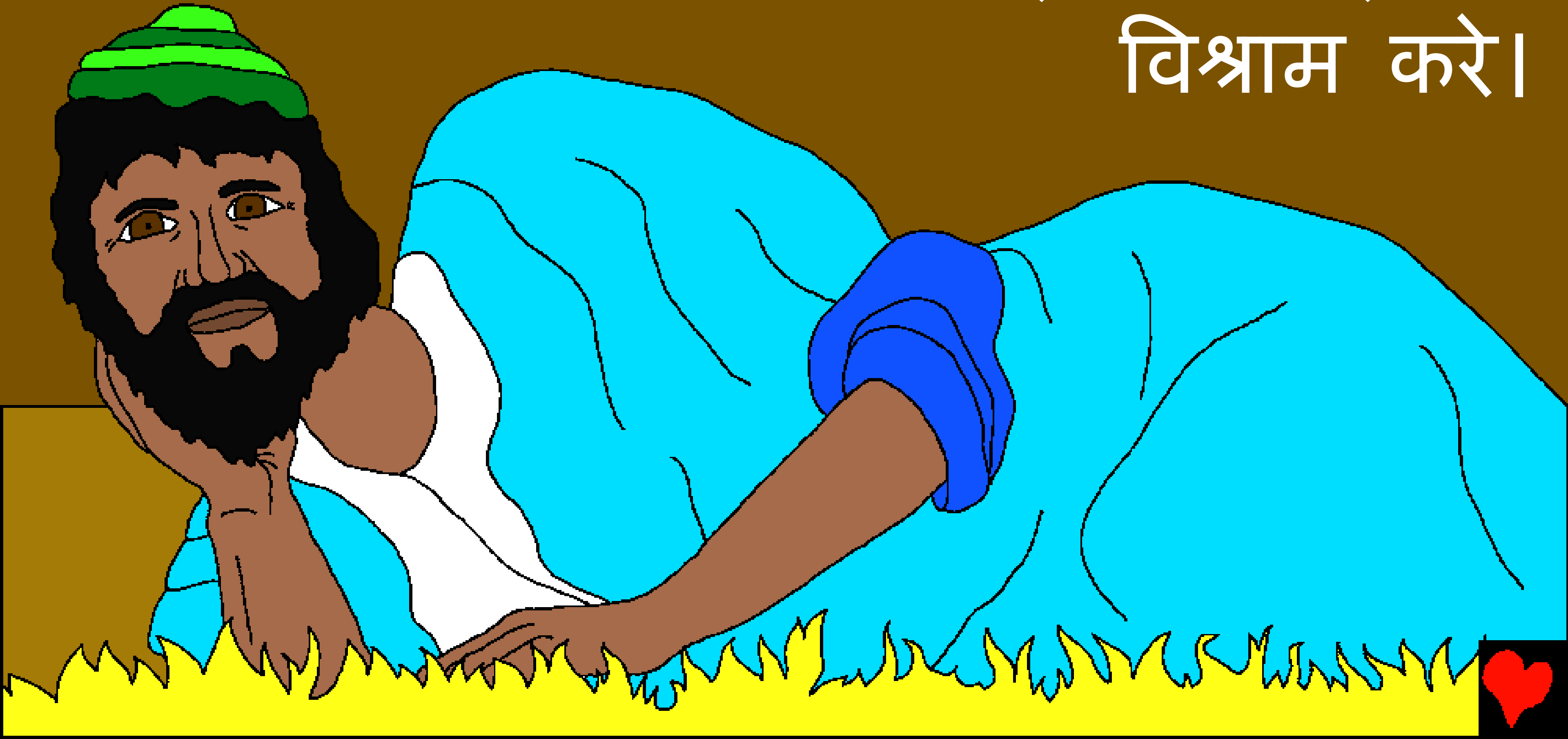

शायद लोगों ने यहेजकेल के बारे में सोचना शुरू किया होगा कि यह एक बहुत ही अजीब आदमी है। उसने वह सबकुछ किया जो परमेश्वर ने उसे करने के लिए कहा था।

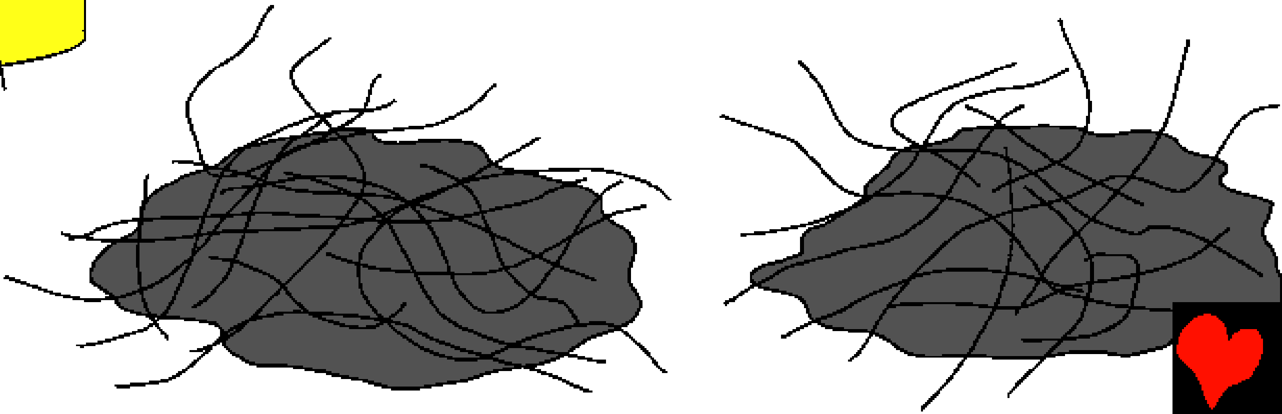

एक दिन, उसने अपने बालों
को मुंडावॉया और उसके एक
तिहाई को जला दिया। यह
दिखने के लिए था कि जब
बाबुल की सेना शहर पर
हमला करेगी तब यरूशलेम
में एक तिहाई लोग रोग
और अकाल से मर जायेंगे।

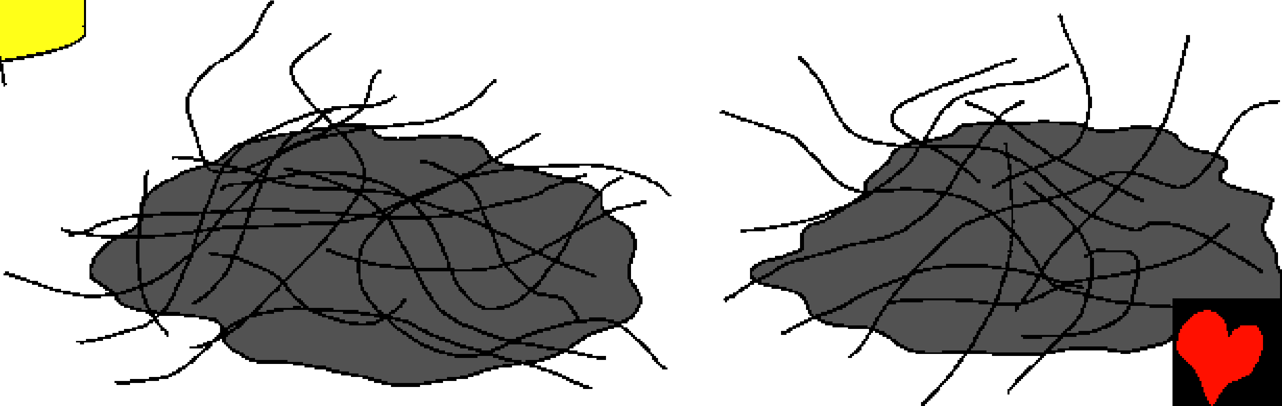

यहेजकेल ने अपने बालों की एक और तिहाई को लिया और तलवार से टुकड़े टुकड़े काट डाला। यह लोगों को दिखाने के लिए था कि एक तिहाई दुश्मन कि तलवार

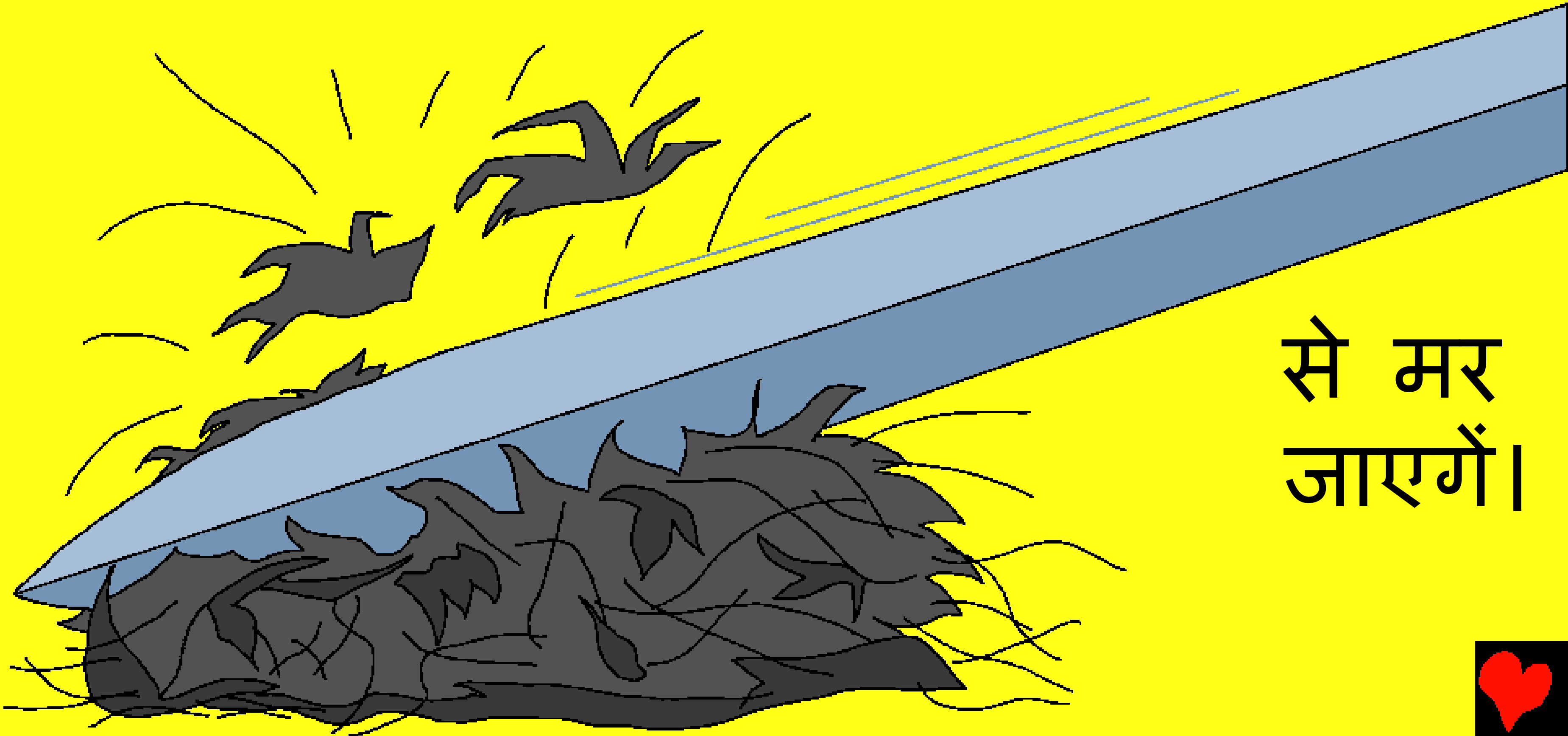

से मर जाएगें।

और अंतिम तृतीय भाग को, यहेजकेल ने हवा में बिखेर दिए। लेकिन वह संकेत के रूप में अपने परिधान के हेम में कुछ बाल सिल दिया जो दर्शाता था।

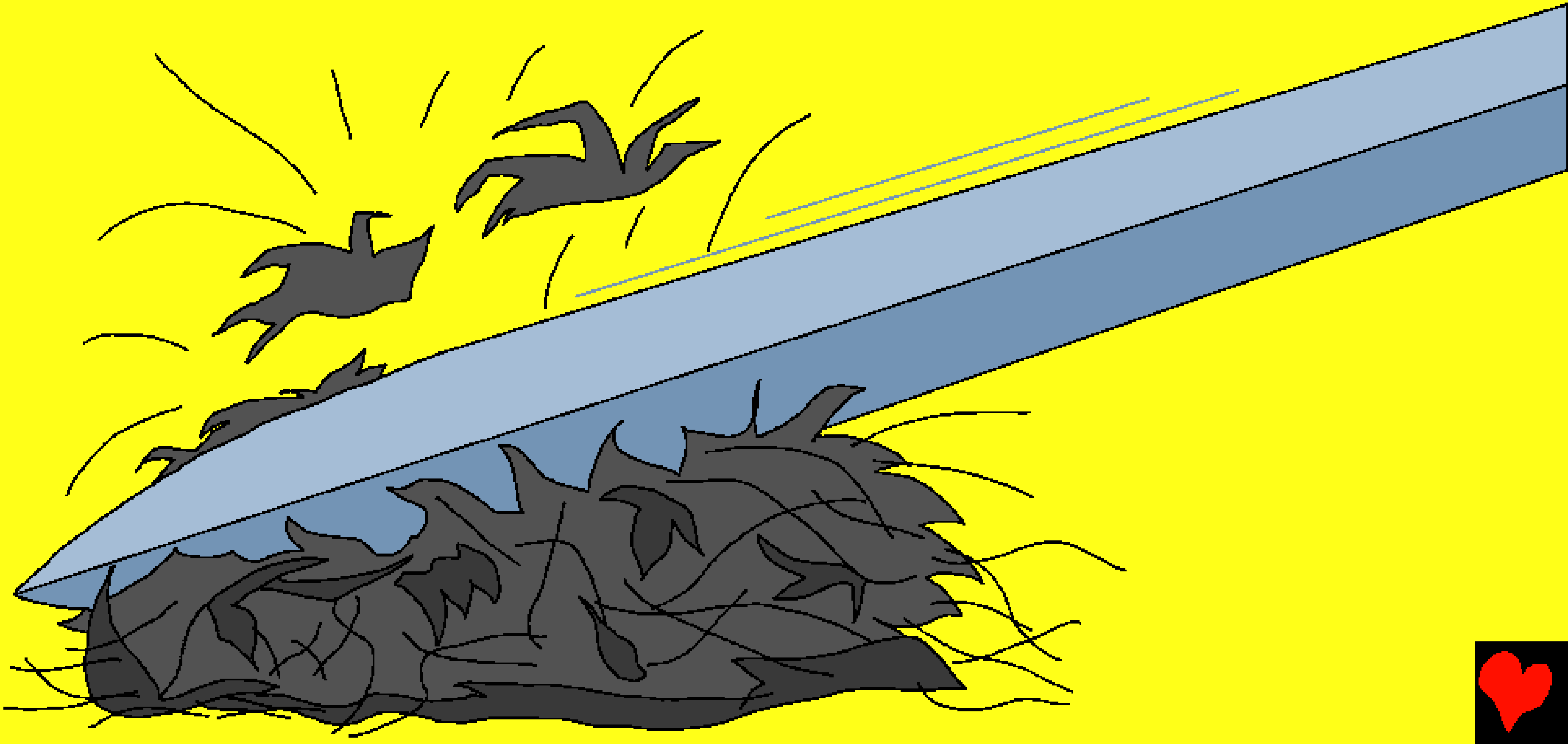

कि परमेश्वर अपने कुछ खास लोगों बचाएगा और उन्हें वादा के देश में वापस लेकर आयेगा।

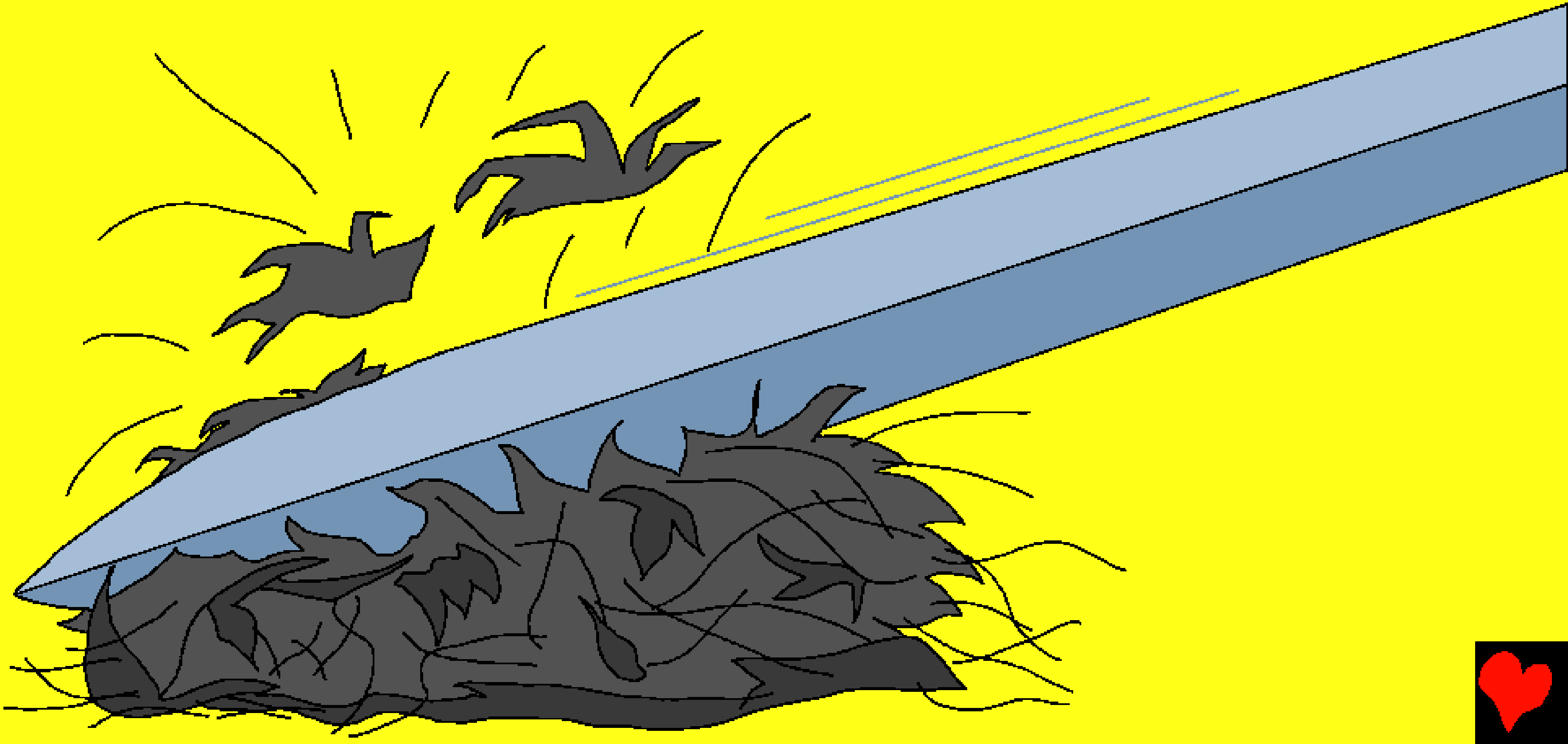

इस साहसी भविष्यद्वक्ता ने बंदी यहूदियों को बताया कि उनका हाल इससे भी बदतर होगा, ऐसा अच्छा नहीं जैसा वे सोच रहे थे। लोग, यहेजकेल पर बहुत क्रोधित हुए; लेकिन वह परमेश्वर के संदेश को बताना जारी रखा।

जब वह एक दिन इस्राएल के
पुरखों के साथ बैठा था, परमेश्वर
ने यहेजकेल
को एक दर्शन दिखाया।
दर्शन में, परमेश्वर ने
उसके बालों को
पकड़कर उठाया
और यरूशलेम
के मंदिर
में उसे
ले गया।

मंदिर में परमेश्वर ने यहेजकेल को रेंगने वाले जीव, अशुद्ध जन्तुओं, और मूर्तियों को दिखाया। ये सभी परमेश्वर के मंदिर में कदापि

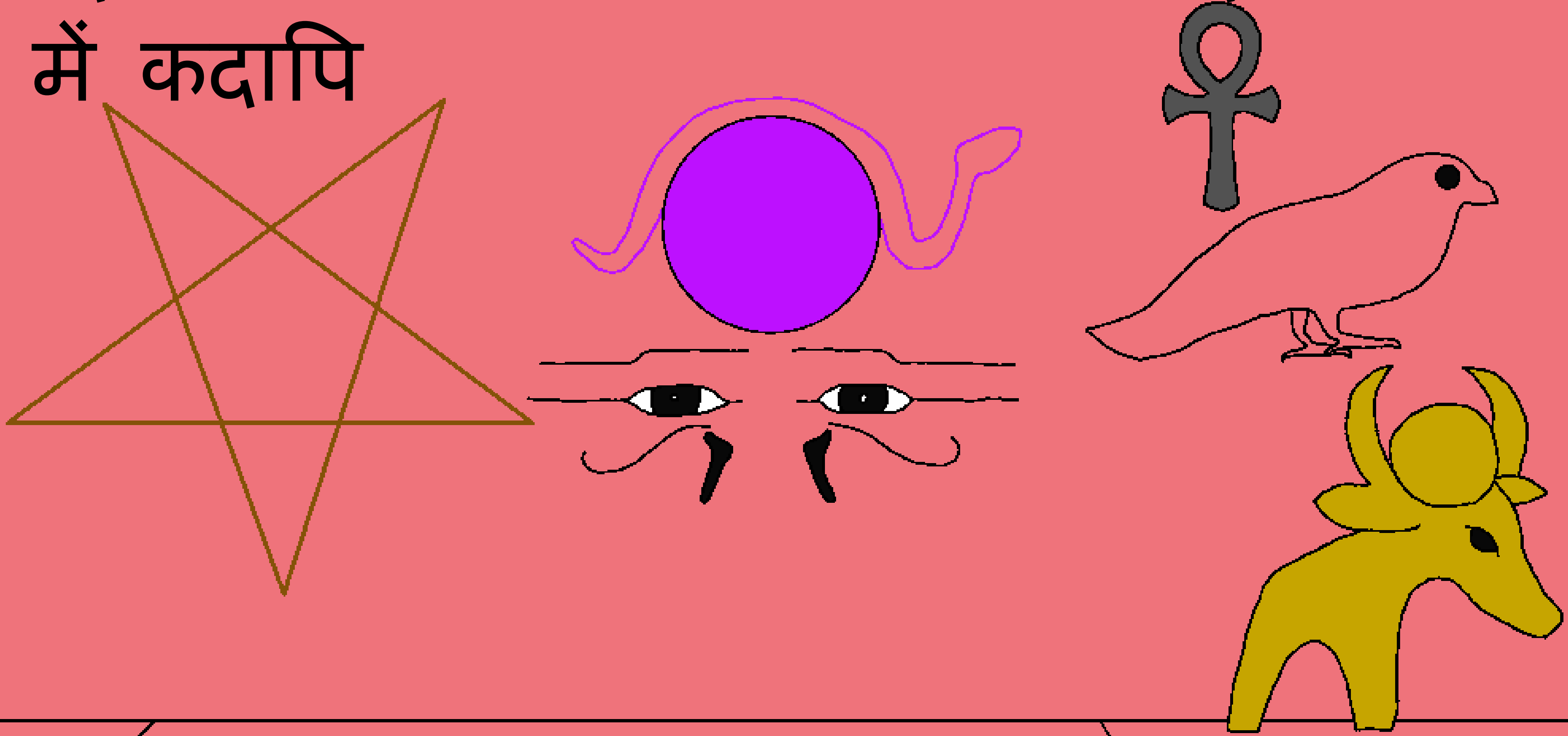

नहीं होने चाहिए थे।

परमेश्वर की पूजा के वजाय अगुवे उन सब की पूजा कर रहे थे। परमेश्वर ने यहेजकेल को यह भी बताया कि उसकी र महिमा ...

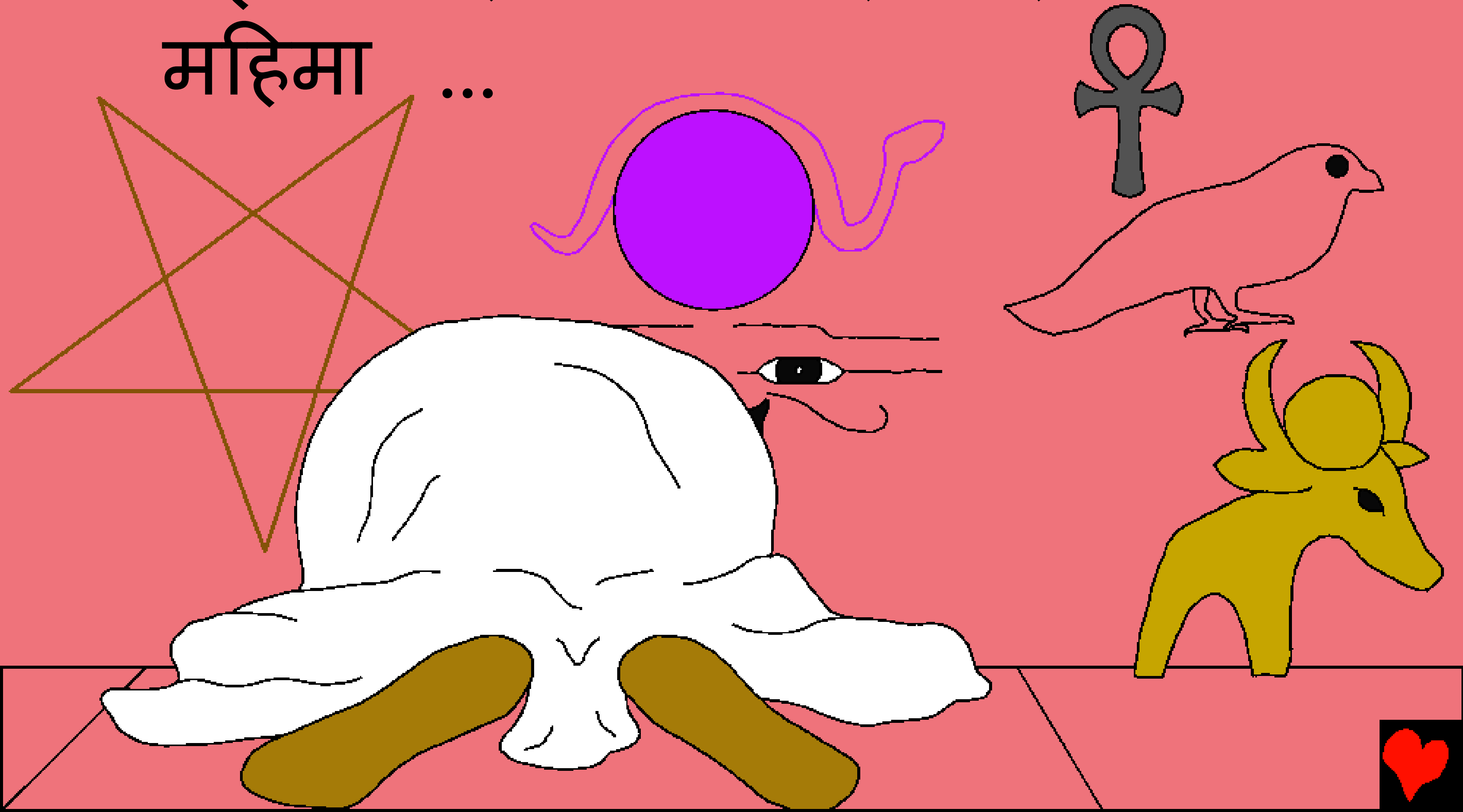

... मंदिर को त्यागने जा हा है और इस मंदिर को नष्ट कर दिया जाएगा। दर्शन समाप्त हो गया, यहेजकेल ने इसके बारे में यहूदियों को बताया।

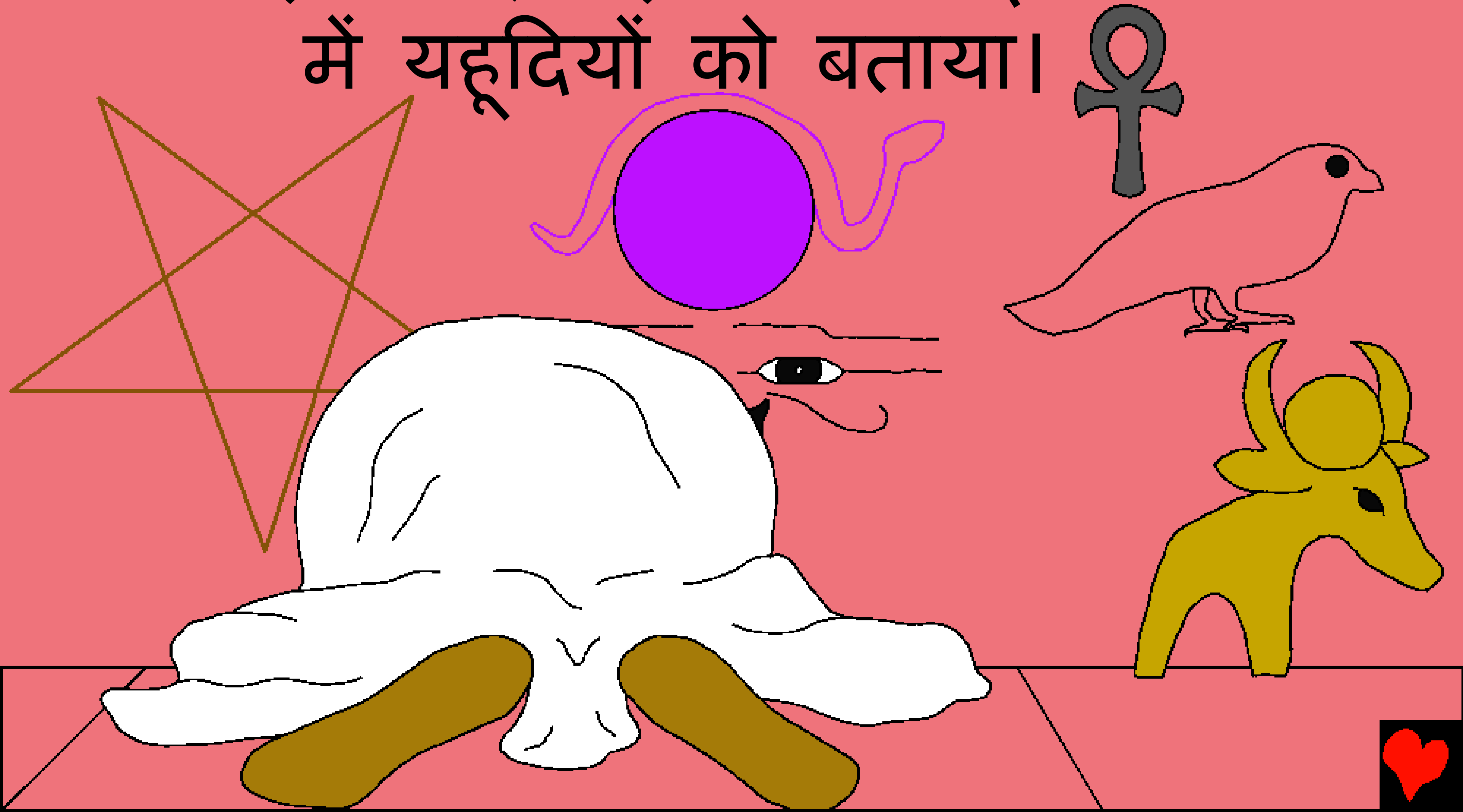

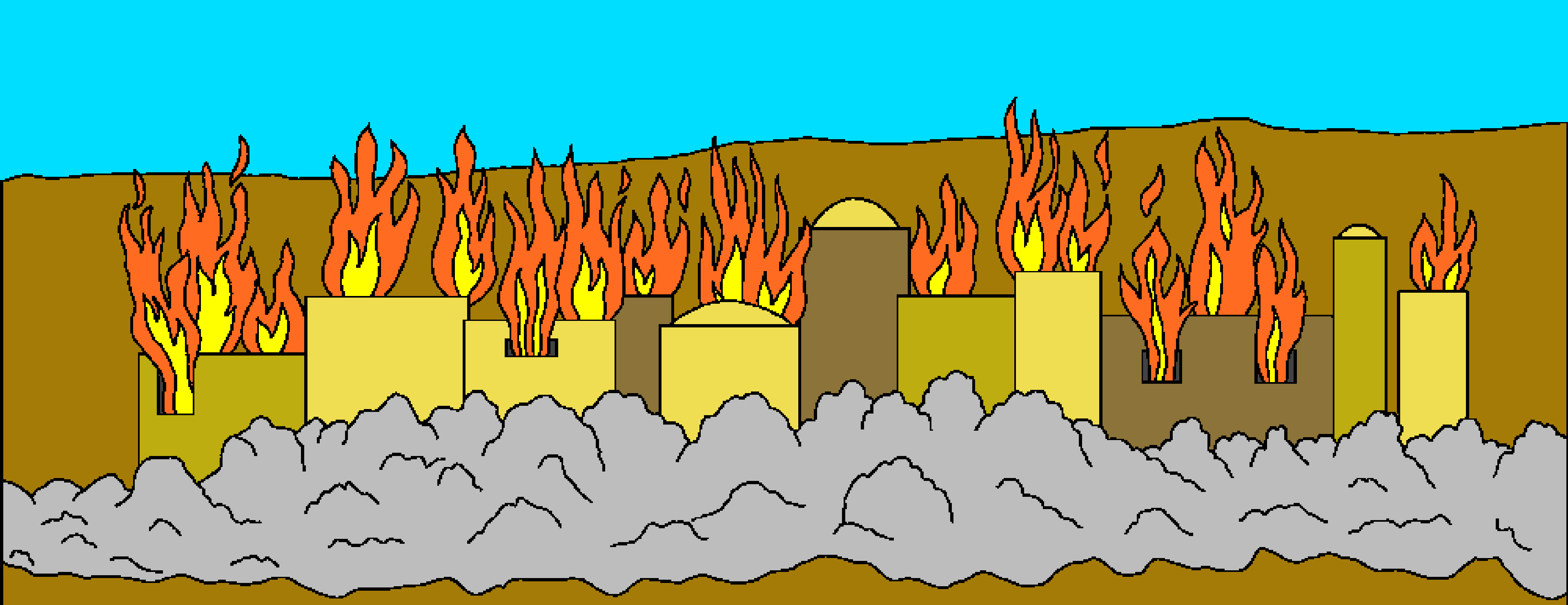

सब कुछ परमेश्वर ने कहा था वह सच हो गया। यरूशलेम को नष्ट कर दिया गया। बहुत से लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया।

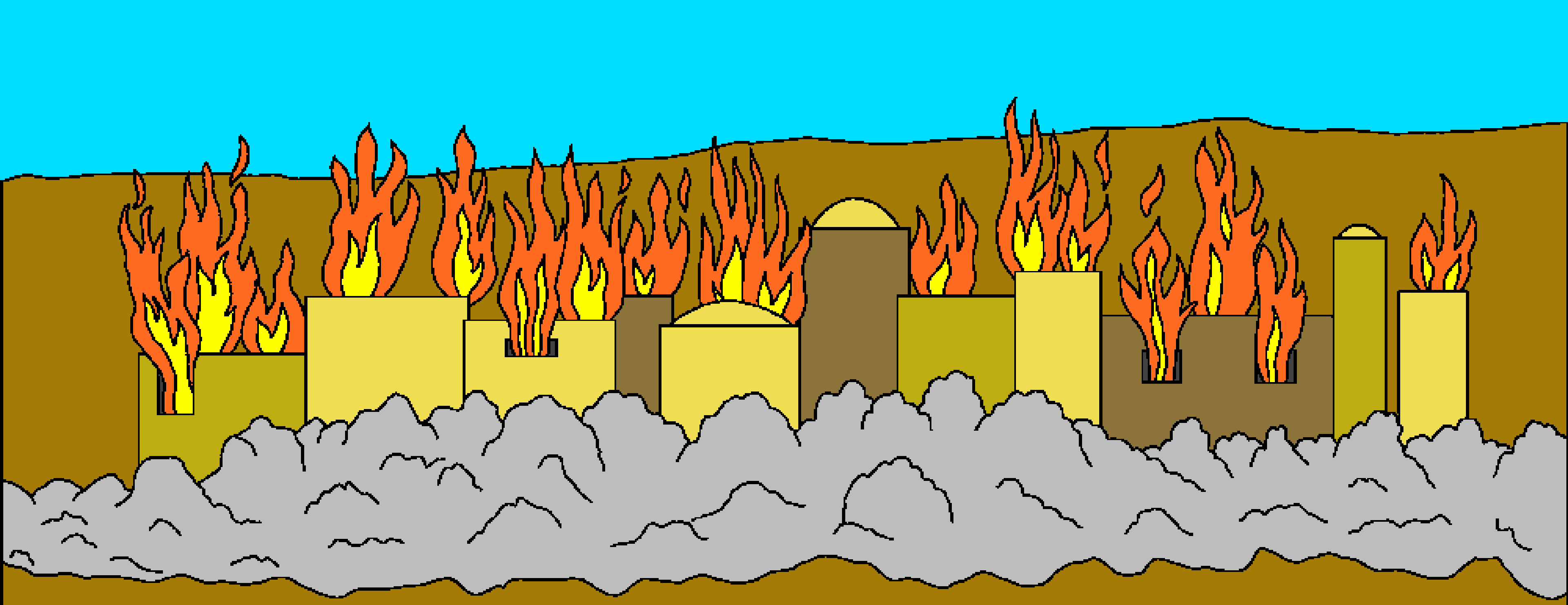

जब बाबुल में बंदी यहूदियों ने
यह सुना, तो वे आश्चर्य जताये
कि कहीं परमेश्वर ने उन्हें हमेशा
के लिए त्याग तो नहीं दिया।

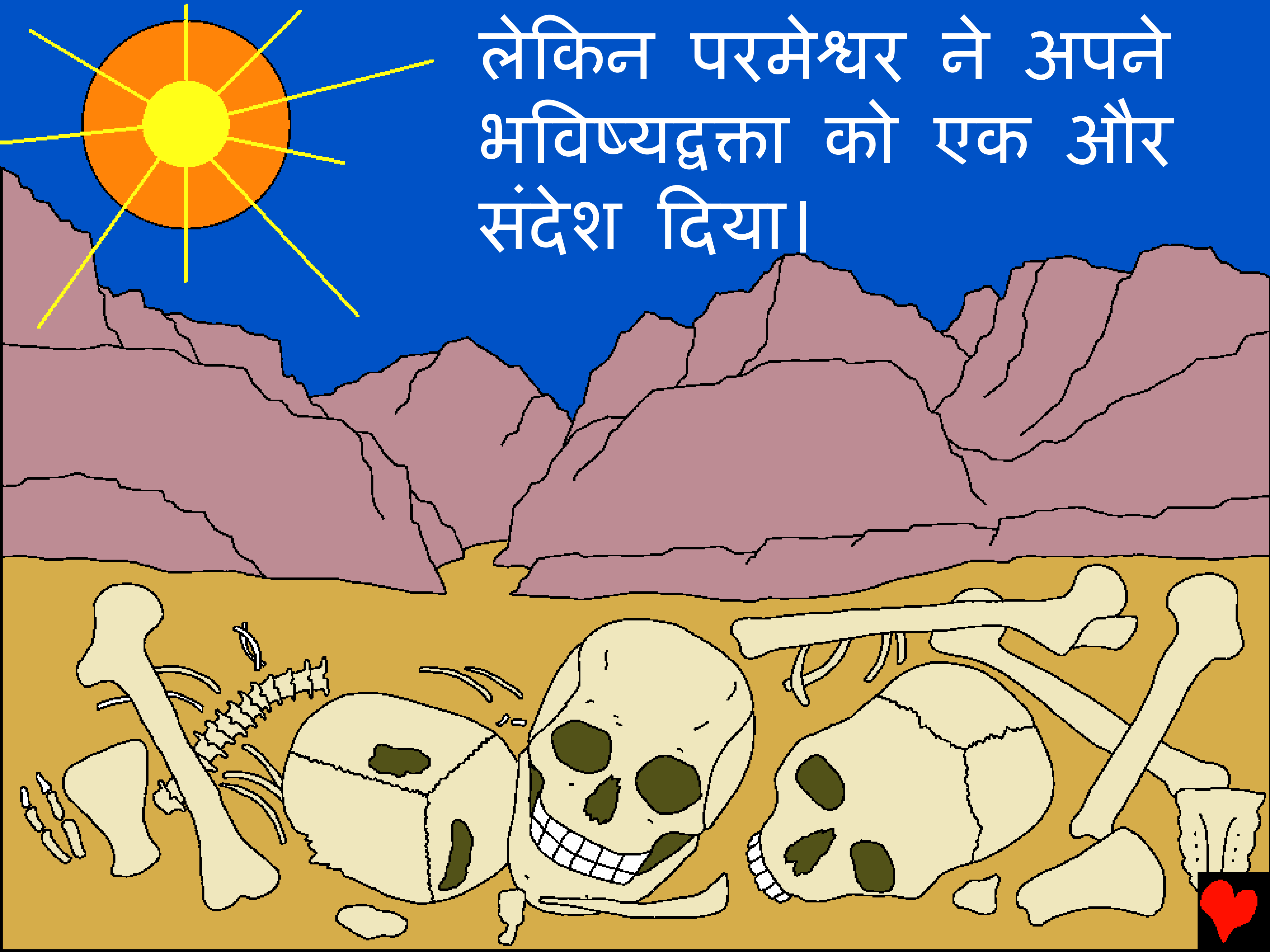
लेकिन परमेश्वर ने अपने भविष्यद्वक्ता को एक और संदेश दिया।

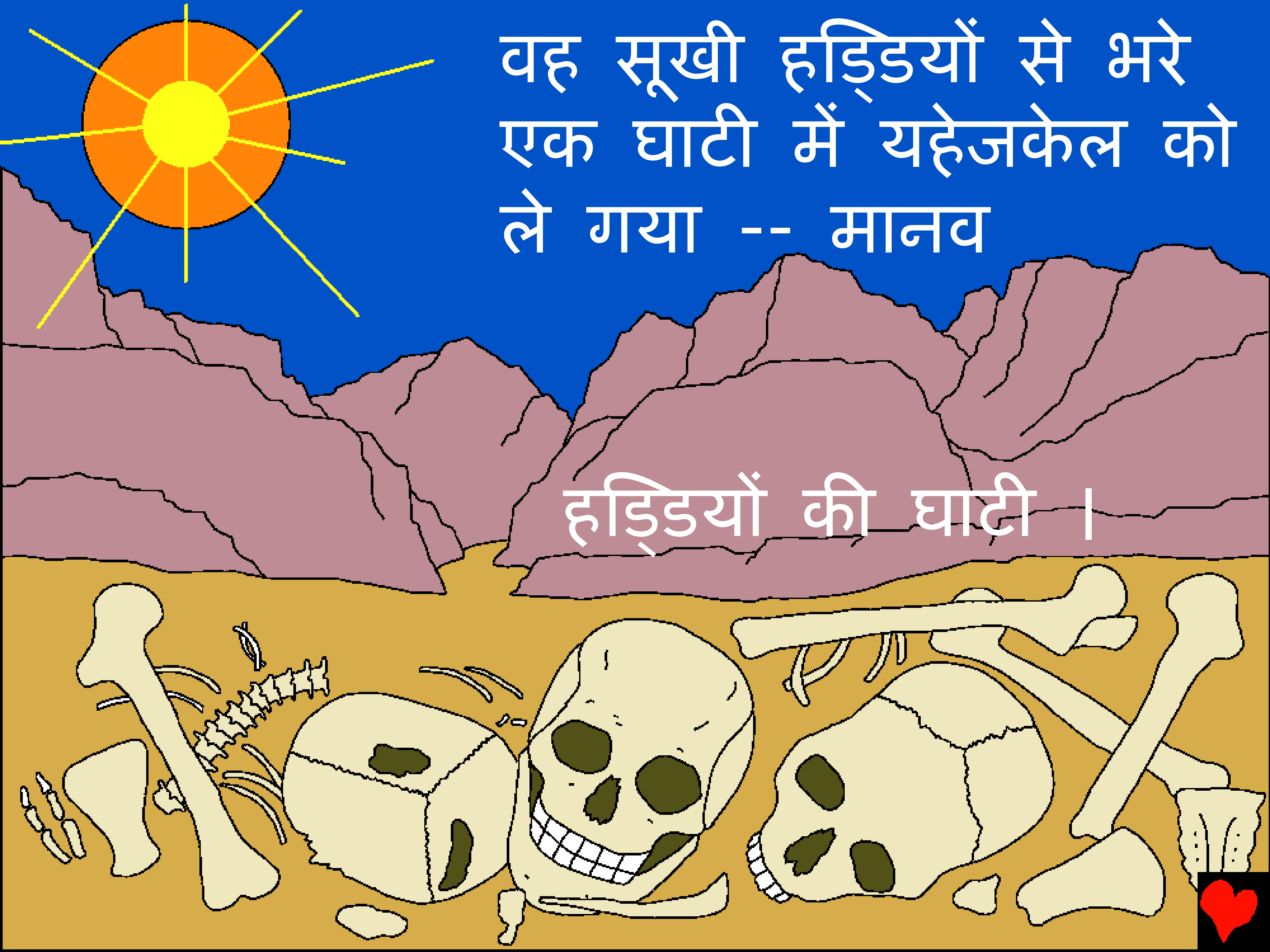
वह सूखी हड्डियों से भरे एक घाटी में यहेजकेल को ले गया -- मानव
हड्डियों की घाटी ।

"मनुष्य के पुत्र, क्या यें हड्डियां जीवित हो सकती हैं?" परमेश्वर ने यहेजकेल से पूछा। "हे प्रभु परमेश्वर, तुम्हें ही पता है" यहेजकेल ने जवाब दिया।

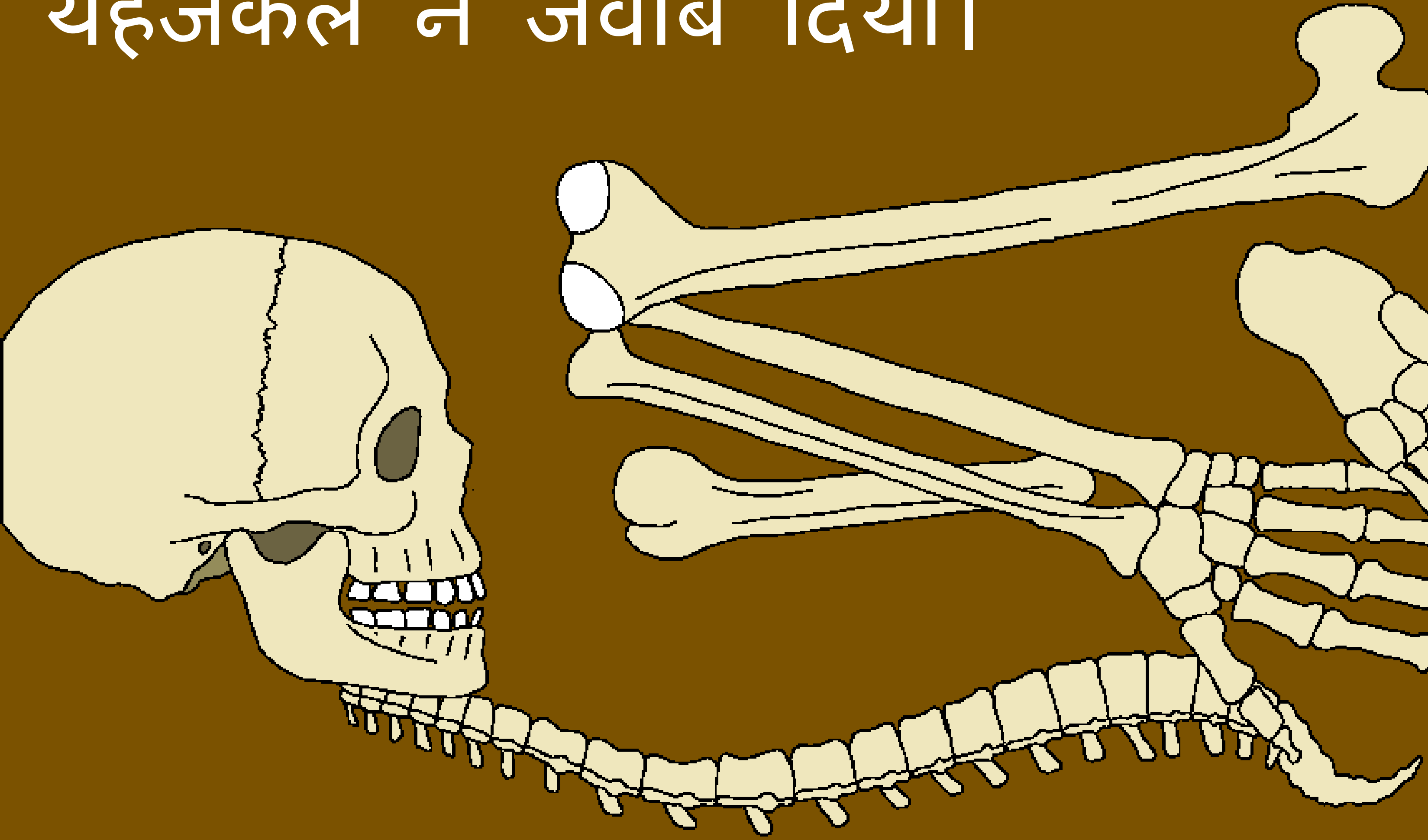

बेशक सूखी हड्डियां पुनः जीवित नहीं हो सकती हैं। यहोवा ने कहा "इन हड्डियों से भविष्यवाणी कर कह, हे सूखी हड्डियों 'यहोवा का वचन सुनो, तुम सब जीवित हो जाओ।"

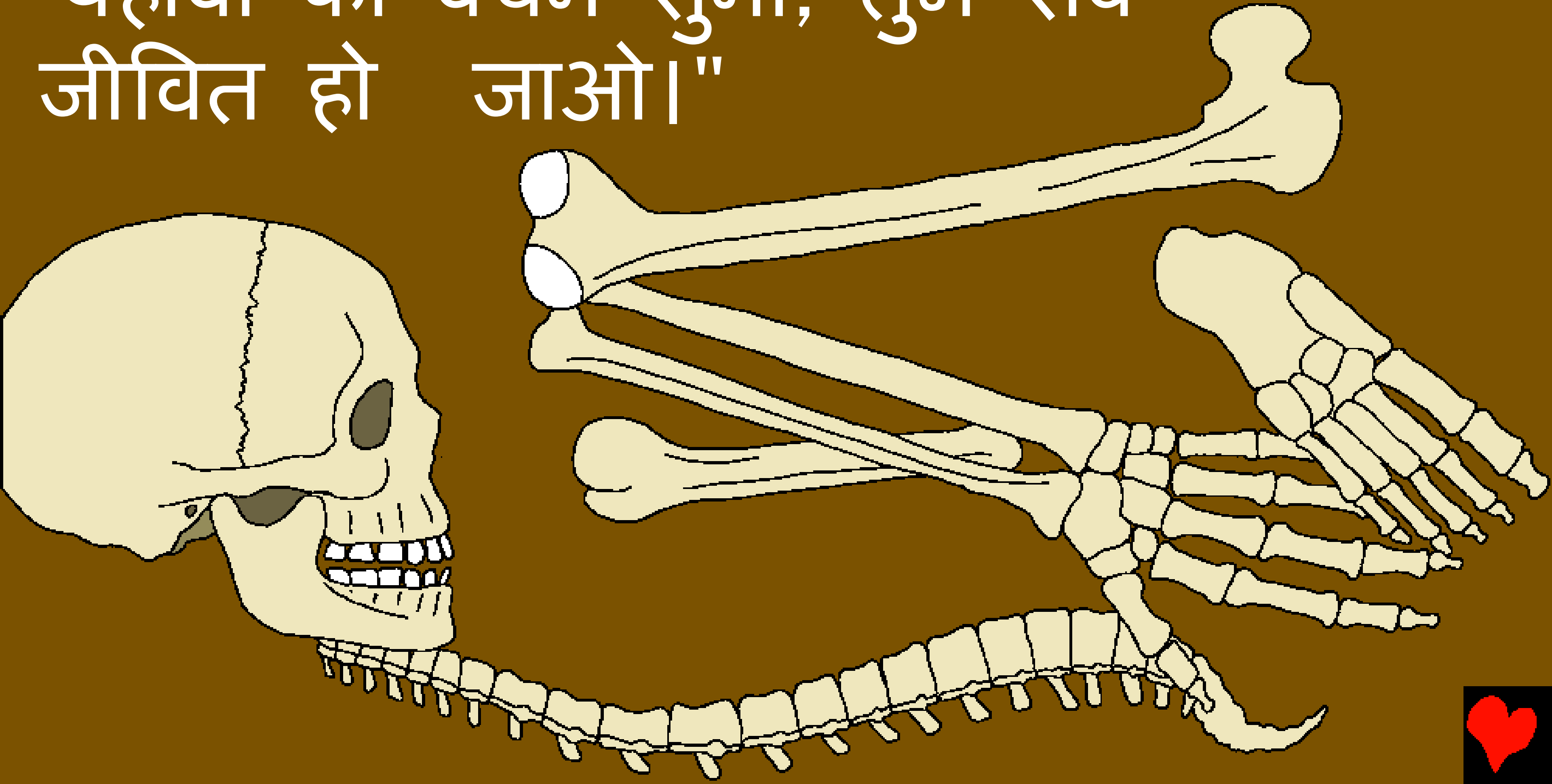

जब उसने आज्ञा मानी, तब यहेजकेल ने एक तेजस्वी शोर सुना। आप इसके कारण के बारे में क्या सोचते हैं?

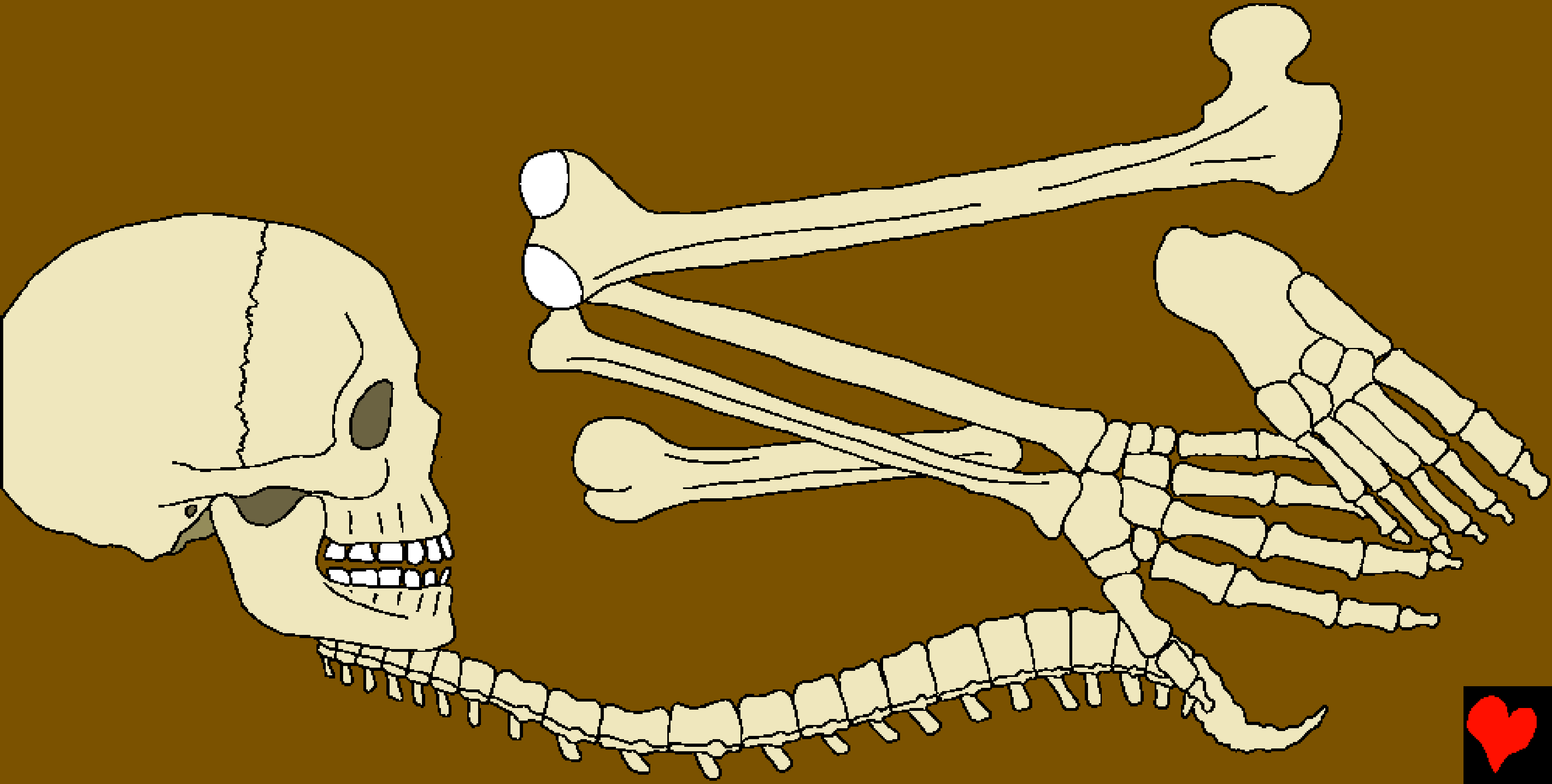

भविष्यद्वक्ता यह देखकर चकित रह गया, जबकि देह के अनुसार हड्डी से हड्डी एक साथ जुड़ते गये।

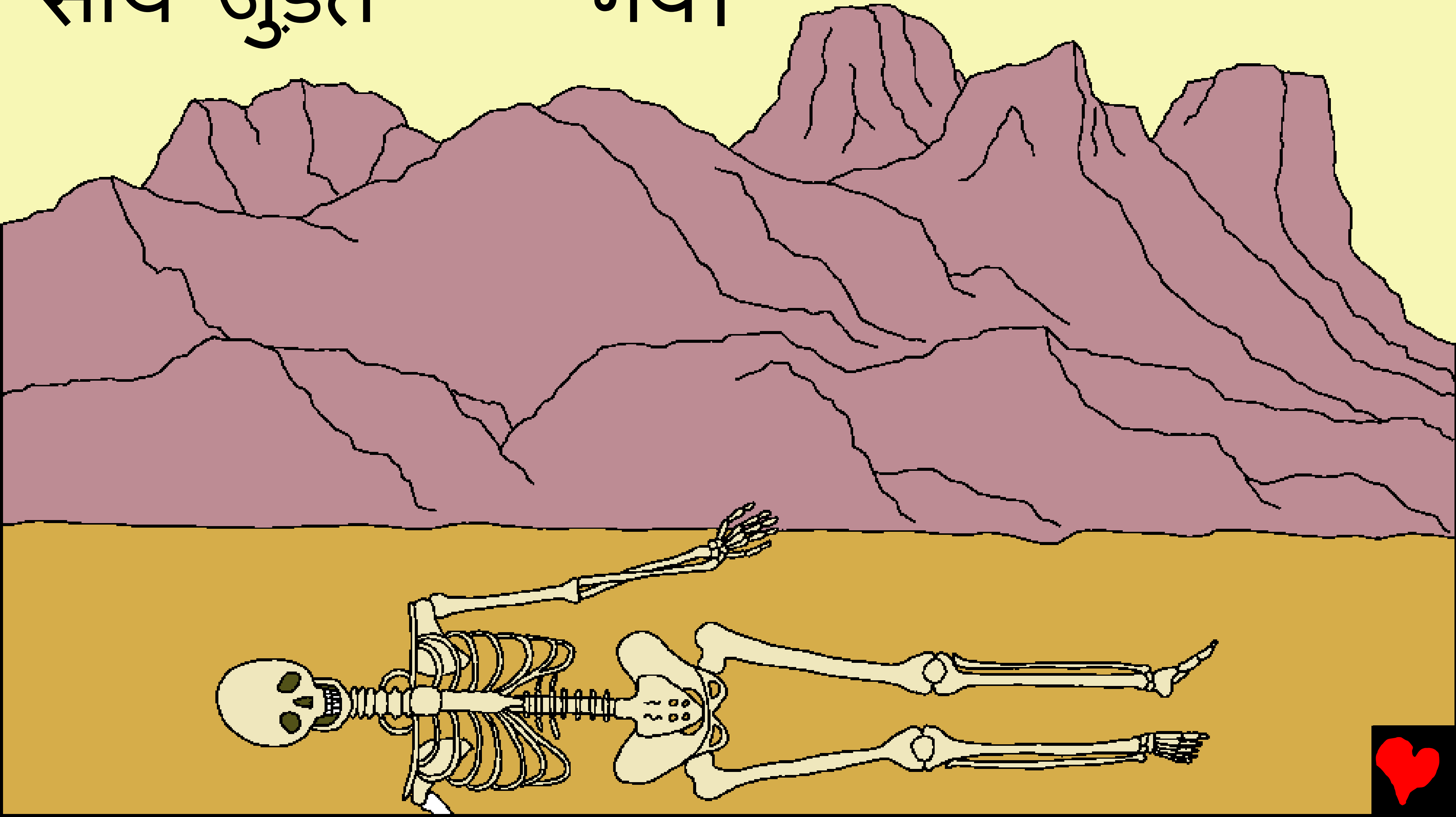

फिर, उन पर मांस आ गया।

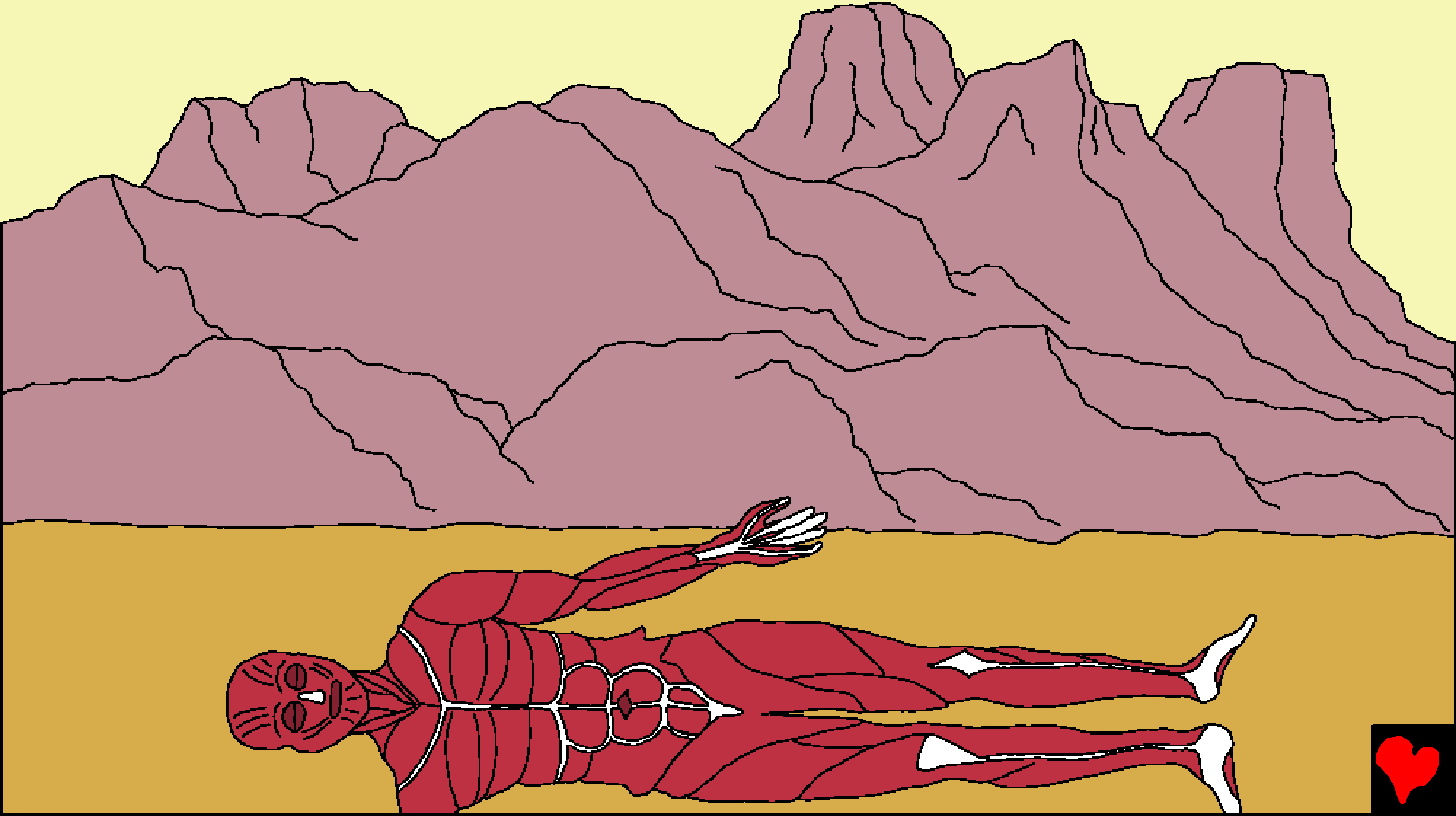

और त्वचा उन को ढँक लिया, परन्तु उनमे कोई श्वाँस नहीं था।

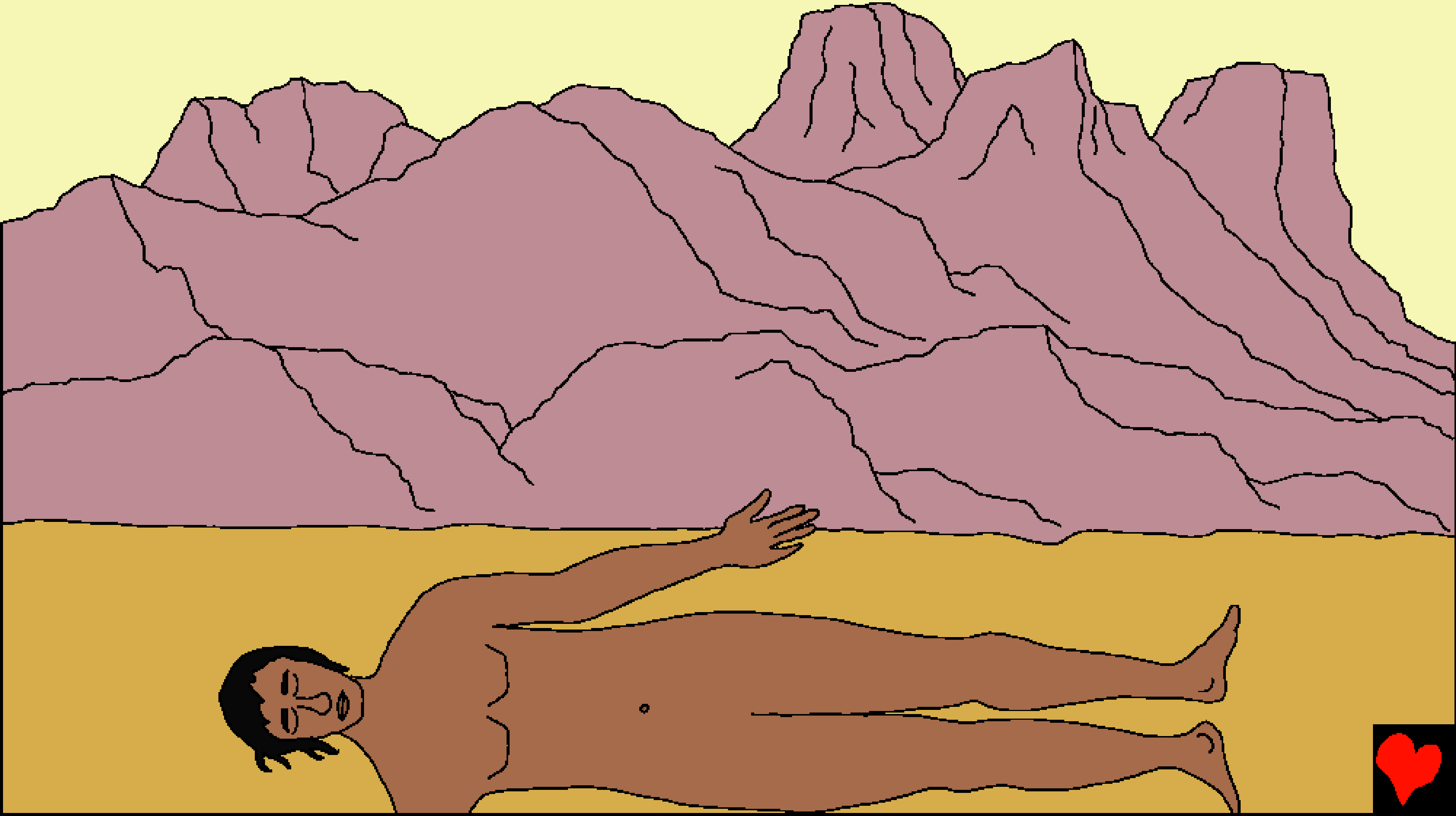

यहोवा ने कहा, "मनुष्य के पुत्र भविष्यवाणी कर कह, 'ऐ स्वांस रों हवाओं कि और से आ जाओ। इनमे श्वाँस प्रवेश करो ताकि वे जीयें। '"जब यहेजकेल ने ऐसा किया, तब उनमे

सासें आ गयी, और वे अपने पैरों पर खड़ा हो गये।

एक बड़ी महान सेना से अब वह घाटी भर गयी थी। परमेश्वर यह जनता था कि यरूशलेम के गिरने से बाबुल में यहूदी निराशा में जी रहे हैं। परमेश्वर ने यहेजकेल के दर्शन के माध्यम

परमेश्वर ने कहा, "ये हड्डियां इस्राएल का पूरा घराना हैं मैं तुम में अपनी आत्मा डालूँगा, और तुम्हे तुम्हारे ही देश में रखूँगा"।

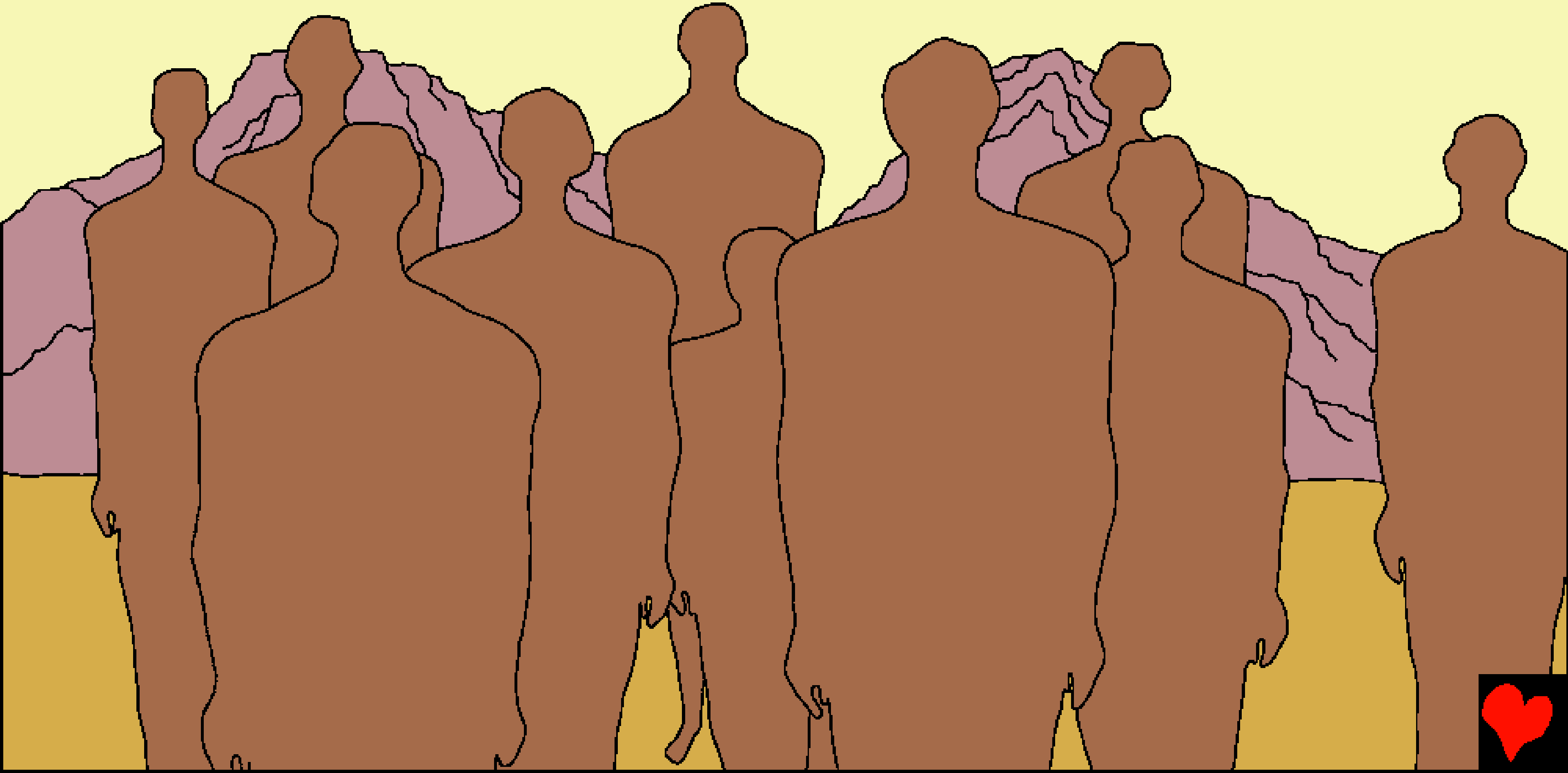

परमेश्वर की ओर से यह एक आशापूर्ण एक महान संदेश था! यहेजकेल के माध्यम से किया हुआ परमेश्वर का यह

... यहूदी लोग बाद में अपने ही देश में लौट आये। वे जानते थे कि प्रभु परमेश्वर ने ही उन्हें उनके घर लाया था। परमेश्वर का वचन हमेशा सच होता है।

यहेजकेल: दर्शनों वाला आदमी

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यहेजकेल

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16